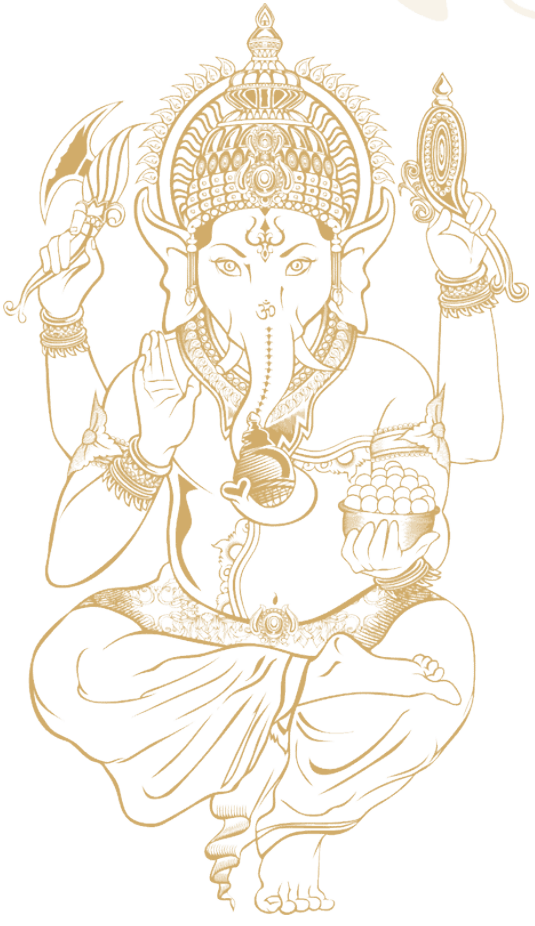

Prajwal singh

Sivani singh

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121077401

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121077401 Date: 27/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/04/1998	जन्म तिथि	24/02/1998
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 18:18:00	जन्म समय	07:30:00 घंटे
घटी 29:39:59	जन्म समय(घटी)	01:10:15 घटी
India	देश	India
Mumbai	स्थान	Nagpur
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	21:10:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	79:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	-00:13:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:26:00	सूर्योदय	06:38:04
18:54:29	सूर्यास्त	18:15:07
23:49:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:48

कन्या	लग्न	कुम्भ
बुध	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कन्या	राशि	मकर
बुध	राशि-स्वामी	शनि
हस्त	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
1	चरण	3
ध्रुव	योग	वरियान
वणिज	करण	गर
पू-पुरुषोत्तम	जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	जलचर
महिष	योनि	नकुल
देव	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मूषक	वर्ग	सिंह

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 8वर्ष 10मा 30दि		18:50:29	कन्या	लग्न	कुंभ	26:57:24	सूर्य 2वर्ष 0मा 12दि	
राहु		26:37:09	मीन	सूर्य	कुंभ	11:25:19	राहु	
10/03/2014		11:26:45	कन्या	चंद्र	मक	05:28:56	08/03/2017	
10/03/2032		04:17:25	मेष	मंगल	कुंभ	29:29:03	08/03/2035	
राहु	21/11/2016	19:51:38	मीन व	बुध	कुंभ	12:53:05	राहु	19/11/2019
गुरु	16/04/2019	21:28:38	कुंभ	गुरु	कुंभ	10:52:28	गुरु	13/04/2022
शनि	20/02/2022	10:40:32	कुंभ	शुक्र	मक	00:26:04	शनि	17/02/2025
बुध	09/09/2024	29:08:28	मीन	शनि	मीन	23:44:16	बुध	07/09/2027
केतु	27/09/2025	16:15:12	सिंह व	राहु व	सिंह	16:43:00	केतु	24/09/2028
शुक्र	27/09/2028	16:15:12	कुंभ व	केतु व	कुंभ	16:43:00	शुक्र	25/09/2031
सूर्य	22/08/2029	18:21:08	मक	हर्ष	मक	16:22:24	सूर्य	19/08/2032
चन्द्र	20/02/2031	08:10:30	मक	नेप	मक	07:05:42	चन्द्र	18/02/2034
मंगल	10/03/2032	13:58:52	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	14:10:01	मंगल	08/03/2035

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:51 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:48

लग्न-चलित

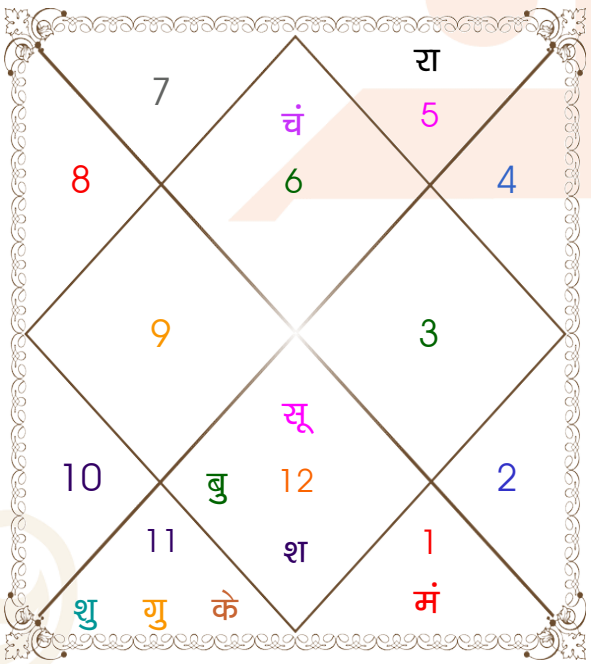

लग्न-चलित

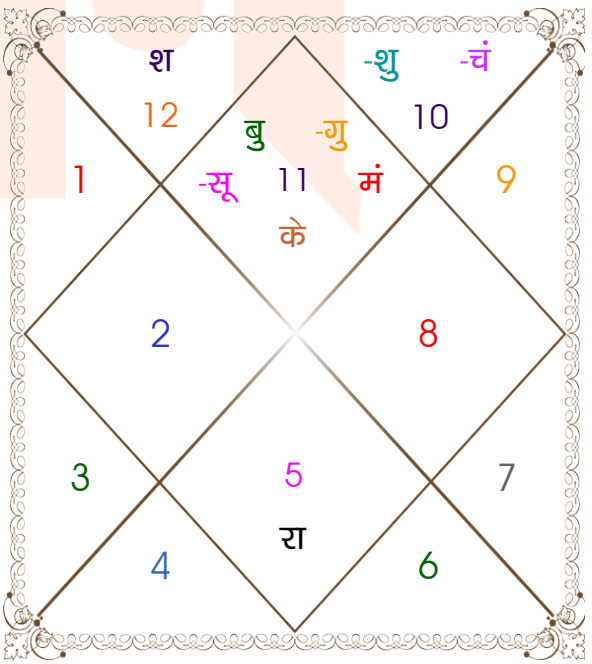

ज्योतिष ग्रह रत्न केंद्र आचार्य शशि कांत मिश्र
लाइन तलाव रांची झारखंड
9835195382
9835195382

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	महिष	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.00		

कुल : **25 / 36**

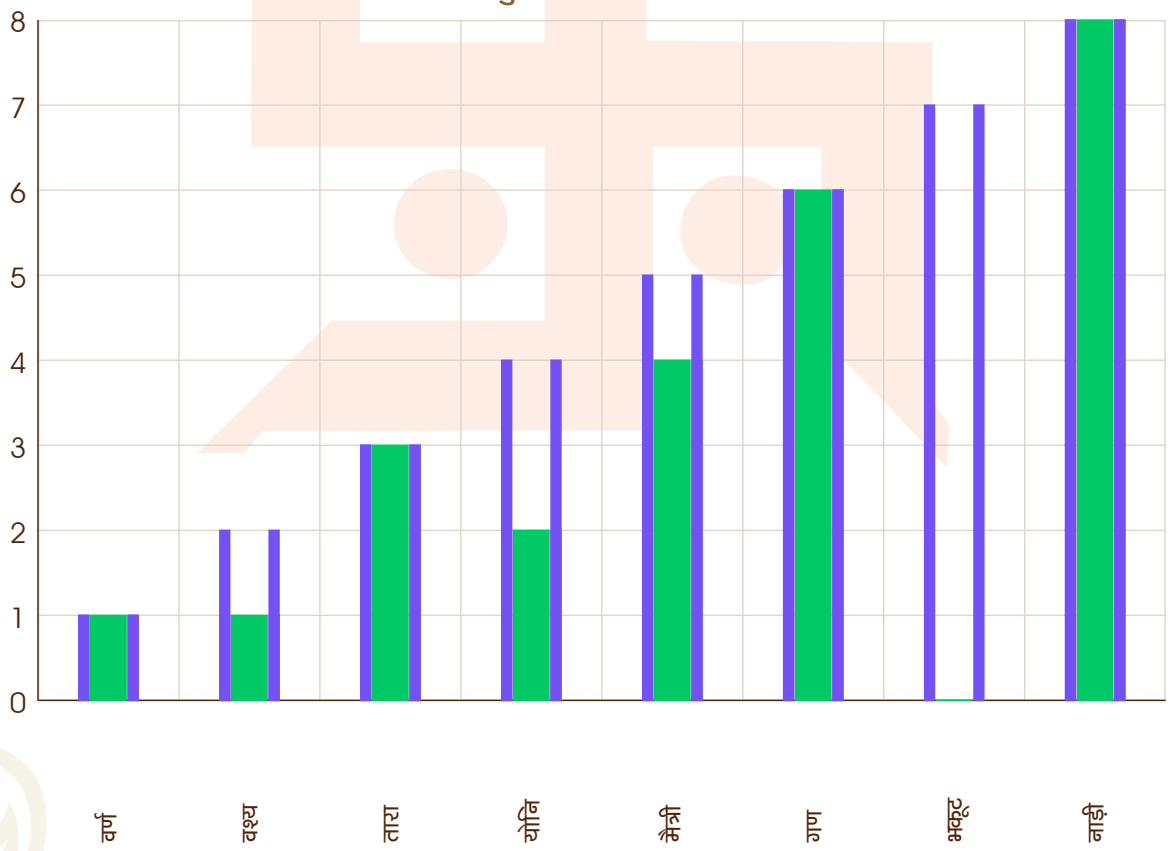

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

च्तंरूंस े पदही का वर्ग मूषक है तथा ैपअंदप े पदही का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार च्तंरूंस े पदही और ैपअंदप े पदही का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

च्तंरूंस े पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

ैपअंदप े पदही मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु ैपअंदप े पदही कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

च्तंरूंस े पदही तथा ैपअंदप े पदही में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

च्तंरूंस`पदही का वर्ण वैश्य है तथा ौपअंदप`पदही का वर्ण भी वैश्य है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इसके कारण च्तंरूंस`पदही और ौपअंदप`पदही दोनों की सोच भौतिकवादी सोच होगी तथा रूपये-पैसे को ज्यादा महत्व देंगे। च्तंरूंस`पदही और ौपअंदप`पदही दोनों मितव्ययी होंगे तथा भविष्य के लिए धन का संचय करना पसन्द करेंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विचारों का सम्मान कर तथा आपस में विचार-विमर्श करके ही बुद्धिमत्तापूर्वक निवेश करेंगे।

वश्य

च्तंरूंस`पदही का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं ौपअंदप`पदही का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप च्तंरूंस`पदही एवं ौपअंदप`पदही दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। ौपअंदप`पदही अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में च्तंरूंस`पदही अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

च्तंरूंस`पदही की तारा सम्पत तथा ौपअंदप`पदही की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से च्तंरूंस`पदही एवं ौपअंदप`पदही दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। ौपअंदप`पदही एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

च्तंरूंस`पदही की योनि महिष है तथा ौपअंदप`पदही की योनि नकुल है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में च्तंरूंस`पदही का राशि स्वामी`पअंदप`पदही के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि`पअंदप`पदही का राशिस्वामी च्तंरूंस`पदही के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पत्ति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

च्तंरूंस`पदही का गण देव तथा`पअंदप`पदही का गण मनुष्य है। अर्थात दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु`पअंदप`पदही अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

च्तंरूंस`पदही से`पअंदप`पदही की राशि पंचम भाव में स्थित है तथा`पअंदप`पदही से च्तंरूंस`पदही की राशि नवम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। दोनों के राशि स्वामियों में परस्पर

मित्र होने के कारण नवम-पंचम दोष का परिहार होने के कारण विवाह को स्वीकृति प्रदान की जा सकती है किंतु भकूट मिलान में इसे 0 अंक/गुण प्रदान किया जायेगा। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं लड़ाई-झगड़े होते रह सकते हैं। जिसके कारणै पअंदप े पदही को संतानोत्पत्ति में भी समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

नाड़ी

च्तंरूंस े पदही की नाड़ी आद्य है तथाै पअंदप े पदही की नाड़ी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान में शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ का संतुलन होता है। च्तंरूंस े पदही की आद्य नाड़ी तथाै पअंदप े पदही की अन्त्य नाड़ी अच्छे स्वास्थ्य, स्वस्थ एवं मजबूत शरीर, दम्पत्ति के आपसी प्रेम एवं समझदारी की द्योतक हैं। जिसके कारण आपकी संतान स्वस्थ, आज्ञाकारी एवं भाग्यशाली होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

च्तंरूंस`पदही की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त कन्या तथाौपअंदप`पदही की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। अतः दोनों का पृथ्वी तत्व होने के कारण स्वभावगत समानताएं रहेंगी जिससे दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा फलतः मिलान उत्तम रहेगा ।

च्तंरूंस`पदही की राशि का स्वामी बुध तथाौपअंदप`पदही की राशि का स्वामी शनि दोनों परस्पर मित्र तथा सम राशि में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी। इसके प्रभाव से च्तंरूंस`पदही औरौपअंदप`पदही का परस्पर प्रेम सहयोग तथा समर्पण का भाव होगा तथा एक दूसरे के सुख दुख में पूर्ण ध्यान रखकर अपनी सहृदयता का परिचय देंगे। साथ ही परस्पर समर्पण का भाव भी विद्यमान होगा। जिससे वैवाहिक जीवन की शुभता बनी रहेगी।

च्तंरूंस`पदही औरौपअंदप`पदही की राशियां परस्पर पंचम नवम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार इसे भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से यदा कदा च्तंरूंस`पदही औरौपअंदप`पदही के मध्य अनावश्यक मतभेद एवं विवाद उत्पन्न होंगे तथा अहंकार के भाव की प्रबलता के कारण संबधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। अतः यदि च्तंरूंस`पदही औरौपअंदप`पदही परस्पर सामंजस्य का भाव बनाएं रखें तथा अभिमानी प्रवृतियों का त्याग करें तो जीवन सुखमय हो सकता है।

च्तंरूंस`पदही का वश्य मानव एवंौपअंदप`पदही का वश्य जलचर है। मानव एवं जलचर में नैसर्गिक शत्रुता तथा विषमता का भाव विद्यमान रहता है। अतः च्तंरूंस`पदही औरौपअंदप`पदही की अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर भी आवश्यकताएं अलग अलग होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे।

च्तंरूंस`पदही औरौपअंदप`पदही दोनों का वर्ण वैश्य है। अतः दोनों की कार्य क्षमता समान रहेगी तथा धनार्जन के प्रति रूचिशील रहेंगे। साथ ही अपने समस्त कार्यो को वणिक बुद्धि से सम्पन्न करेंगे।

धन

च्तंरूंस`पदही की तारा सम्पत तथाौपअंदप`पदही की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से च्तंरूंस`पदही सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथाौपअंदप`पदही के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

च्तंरूस`पदही  और`ैपअंदप`पदही  को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से `ैपअंदप`पदही का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

च्तंरूस`पदही  आद्य तथा`ैपअंदप`पदही  अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुई हैं। अतः अलग अलग नाड़ी होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे परन्तु मंगल के प्रभाव से दोनों को समय समय पर शारीरिक कष्ट की प्राप्ति होती रहेगी। इससे दोनों गुप्त रोग या धातु संबंधी रोगों से परेशान रहेंगे तथा हृदय संबधी कोई कष्ट भी हो सकता है। च्तंरूस`पदही की रतिक्रिया में शिथिलता रहेगी जबकि`ैपअंदप`पदही की संभोग के प्रति उनके मन में उदासीनता का भाव रहेगा फलतः दोनों का दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं होगा। अतः इस प्रभाव की न्यूनता के लिए च्तंरूस`पदही और`ैपअंदप`पदही को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से च्तंरूस`पदही  और`ैपअंदप`पदही  का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त च्तंरूस`पदही और`ैपअंदप`पदही के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में`ैपअंदप`पदही के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन`ैपअंदप`पदही को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में`ैपअंदप`पदही को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से च्तंरूस`पदही  और`ैपअंदप`पदही सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार च्तंरूस`पदही  और`ैपअंदप`पदही का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

`ैपअंदप`पदही के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही

रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए ैपअंदप ेपदही को धैर्य तथा बुद्धिमता का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी ैपअंदप ेपदही को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी ैपअंदप ेपदही के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार ैपअंदप ेपदही का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

च्तंरूंस ेपदही के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को च्तंरूंस ेपदही अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी च्तंरूंस ेपदही के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण च्तंरूंस ेपदही के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।